प्रश्नोतर से संबंधित परिशिष्ट

परिशिष्ट 'अट्ठावन' [30/3/2016]

प्रश्न सं. [क. 7335]

परिशिष्ट "अ"

पशुपालकों को पुरस्कार हेतु चयन के लिये मापदण्ड तथा प्रकिया निम्नानुसार है –

विकास खण्ड स्तर पर :–

योजना में जिले के अंतर्गत समस्त विकास खण्डों से ऐसे पशुपालक जिनकी देशी नस्ल की गाय का दुग्ध उत्पादन 4 लीटर अथवा उससे अधिक है से आवेदन प्राप्त किए जाते हैं। प्रभारी द्वारा आवेदन का परीक्षण कर समस्त आवेदन जिले स्तर पर उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें को प्रस्तुत किये जाते हैं। आवेदनों का संकलन एवं परीक्षण जिला स्तर पर किया जाता है। परीक्षण के उपरांत प्रत्येक विकास खण्ड हेतु 10 गाय का चयन कर प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है एवं इनमें से अधिकतम दूध देने वाली गाय को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

विकास खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में यदि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर दो दुधारू पशुओं का चयन होता है तो निम्न प्रकिया का पालन करना होगा तथा कुल मूल्यांकन के आधार पर स्थान का चयन किया जाएगा :–

(i) जिस गाय के तीनों समय के दुग्ध उत्पादन में अन्तर कम होगा उसे वरीयता दी जाएगी।
(ii) प्रतियोगी दुधारू पशुओं में से जिस पशुपालक की आय कम होगी उसे वरीयता दी जाएगी।
(iii)कम ब्यात एवं कम उम्र वाली गाय को वरीयता दी जाएगी।
(iv)यदि उपरोक्तानुसार भी मूल्यांकन समान आता है तो समिति का निर्णय अन्तिम होगा।

जिला स्तर पर प्रकिया :–

जिले के उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा विकास खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता के परिणामों के आधार पर जिले के समस्त विकास खण्डों की सम्मिलत वरीयता सूची तैयार कर परीक्षण के उपरान्त जिले में अधिकतम दूध देने वाली 10 गाय का चयन कर जिला स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इनमें से अधिकतम दूध देने वाली गायों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदाय किया जाता है। साथ ही 7 सांत्वना पुरस्कार (प्रति पुरस्कार रू. 5,000) प्रदाय किए जाते हैं। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में यदि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर दो दुधारू पशुओं का चयन होता है तो विकासखण्ड स्तर पर उल्लेखित प्रकिया का पालन किया जाता है।

राज्य स्तर पर प्रकिया :–

प्रत्येक जिले के प्रथम, एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त पशुपालकों के आवेदन राज्य स्तर पर संकलित किये जाते हैं एवं इनका परीक्षण राज्य स्तरीय समिति द्वारा किया जाता है एवं परीक्षण उपरांत अधिकतम दूध देने वाली गायों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार एवं 7 सांत्वना पुरस्कार (प्रति पुरस्कार रू.. 10,000) प्रदान किए जाता है।

संचालक
पशुपालन मध्यप्रदेश